कृषि विभाग

दिनांक 4 अप्रैल, 2005

संख्या 3887-कृषि-II (I)-2004/5052.—चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में वर्णित कीट कृषि फसलों के लिए हानिकारक है तथा उक्त कीटों के उन्मूलन तथा उनके प्रवेश, फैलाव या पुन: प्रकटन के निवारण के उपाय करना आवश्यक हो गया है।

इसलिये, अब खेती, नाशीकीट, रोग तथा हानिकारक घासपात अधिनियम, 1949 (1949 का पूर्वी पंजाब अधिनियम 4), की धारा 3 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा ,—

(क) नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में वर्णित कीटों को उक्त अनुसूची के खाना 3 में विनिर्दिष्ट स्थानीय क्षेत्रों के लिये और उसके खाना 2 में विनिर्दिष्ट अवधि के लिये कीटनाशी घोषित करते हैं; और

(ख) प्रत्येक अधिभोगी द्वारा उक्त अनुसूची के खाना 4 में विनिर्दिष्ट निवारक तथा उपचार उपायों को उक्त अनुसूची के खाना 3 में विनिर्दिष्ट सम्पूर्ण स्थानीय क्षेत्र में आकाशीय तथा भूमि छिड़काव द्वारा कार्यान्वित करने के लिये निर्देश देते हैं :—

अनुसूची

कीट का नाम	अवधि	स्थानीय क्षेत्र	निवारक तथा उपचारी उपाय
1	2	3	4
टिड्डी (सिस्टोसेरिका ग्रीगेरिया-एफ)	1 जनवरी 2005 से 31 दिसम्बर, 2005 तक	सम्पूर्ण हरियाणा राज्य	1. फैन्टिोथियन अल्ट्रा, लो वाल्यूम, फैनिटोथियन 5 प्रतिशत डस्टिंग पाऊडर, मैलाथियन अल्ट्रा, लो वाल्यूम, मैलाथियन 5 प्रतिशत, डस्टिंग पाऊडर, क्लोरोपाईफास 1.5 प्रतिशत डस्टिंग पाऊडर, डाईजीनान 2 प्रतिशत डस्टिंग पाऊडर या किसी अन्य उचित कीटनाशक के साथ हवाई/भूमि छिड़काव/डस्टिंग करना। 2. यांत्रिक विधि के द्वारा टिड्डियों के अंडों को नष्ट करना तथा उनके बच्चों को खाईयों में दबाना और रात के समय प्रौढ़ कीटों को आग से जलाना।

आशा शर्मा,
वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

AGRICULTURE DEPARTMENT

The 4th April, 2005

No. 3887-Agri. II (I)-2004/5052.—Whereas, it appears to the Governor of Haryana that the insects mentioned in column 1 of the Schedule given below, are injurious to Agricultural crops and it is necessary to take measures to eradicate the said insects and to prevent their introduction, spread or reappearance.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Pests, Diseases and Noxious Weeds Act, 1949 (East Punjab Act 4 of 1949), the Governor of Haryana hereby ,—

(a) declares the insects mentioned in column 1 of the Schedule given below to be the pest for the local area specified in column 3 of the said Schedule and for the period given in column 2 thereof; and

(b) directs the carrying out of preventive and remedial measures specified in column 4 of the said Schedule by every occupier through aerial and ground spraying/dusting throughout the local area specified in column 3 of the said Schedule :—

Schedule

Name of insect	Period	Local area	Preventive and Remedial measures
1	2	3	4
Locust (Schistocerca gregaria-F)	1st January, 2005 to 31st December, 2005	Whole of the State of Haryana	1. Aerial/ground spraying/dusting with Fenitrothion Ultra Low volume. Fenitrothion 5 percent Dusting Powder, Malathion Ultra Low Volume, Malathion 5 percent Dusting Powder, Chlorpyriphos 1.5 percent Dusting Powder, Diazinon 2 percent Dusting Powder or any other suitable pesticides. 2. Mechanical control by destruction of eggs of locust and burying of hoppers in trenches and burning of adults at night.

ASHA SHARMA,
Financial Commissioner and Principal Secretary to
Government Haryana, Agriculture Department.

ELECTION DEPARTMENT

The 5th April, 2005

No. Elec.-2005/2AA-3447.—The Governor of Haryana is pleased to appoint the following officers as District Electoral Officers, in addition to their own duties for the district *w.e.f.* the dates mentioned against each :—

S. No.	Name and Designation of the officers	Name of District	Date of appointment as District Electoral Officers
1.	Smt. Sunita Verma, HCS, District Electoral Officer-cum-City Magistrate, Panipat	Panipat	17-11-2004 (F.N.)
2.	Shri Ramesh Chand Verma, HCS, Zonal Administrator HSAMB-cum-District Electoral Officer, Karnal	Karnal	1-12-2004 (F.N.)

MANIK SONAWANE,
Financial Commissioner and Principal Secretary to
Government Haryana, Election Department.